ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एवं संरक्षण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

- प्रतिपूरक वन रोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA)ने संरक्षण के लिए 56 करोड़ रूपये धनराधि की मंजूरी दी थी।
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन दोनों भारत की गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में शिमल हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड क्या है ?

- सिर्फ भारत में पाए जाने वाले इस पक्षी को इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफनेचर द्वारा गंभीर रूप से संकटग्रस्त पंक्षी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- वर्तमान में भारत में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की कुल जनसंख्या मात्र 140 है
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एक स्थलीय पंक्षी है जिनका आवास घास का मैदान है।
- अपने भोजन के लिए बस्टर्ड मुख्य रूप से कीड़े-मकोड़े, छिपकली और घासों के बीज पर निर्भर रहते हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लुप्तप्राय के कारण

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लुप्तप्राय होने का सबसे बड़ा कारण ओवर हेडपावर ट्रांसमिशन लाइने हैं।
- भारतीय वन्य जीव संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 18 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड इन ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइनों से टकराकर मर जाते हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण कार्यक्रम

Result Mitra

- वर्ष 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान, गुजरात एवं महाराष्ट्र सरकार को ग्रेटइंडियन बस्टर्ड के संभावित आवास क्षेत्र से ओवरहेड बिजली लाइनों के दायरे, व्यवहार्यता और सीमा को निर्धारित करते हुए इन बिजली लाइनों को भूमिगत किए जाने के संबंध में एक विशेषज्ञ समिति का गठन का निर्देश दिया गया था।

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की आबादी को संरक्षित करने के पहले कदम के रूप में वर्ष 2012-13 में राजस्थान सरकार एवं भारतीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा एक दीर्घ कालीन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन रिकवरी परियोजना शुरू की गई थी।

- इस योजना के साथ ही वर्ष 2016 में 33.85 करोड़ रूपये की वित्तपोषण के साथ ग्रेट इंडियन बस्टर्डस प्रजाति पुनप्राप्ति योजना की शुरूआत की गई थी जिसके आधार पर जीआईबी के प्रजनन केन्द्र स्थापित करने के साथ इसके अंडे कृत्रिम रूप से लगाए गए थे।

- इस इंटिग्रेटेड अप्रोच के तहत जंगलों से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के अंडों को एकत्र कर कृत्रिम रूप से संया जाता है जिसके कारण लगभग 29 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्राप्त किए गए।

- इस प्रजनन केन्द्र में वयस्क चूजों को संभोग कराकर लगभग 11 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्राप्त किए गए।
- प्रतिपूरक वन रोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण
- वर्ष 2002 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा केन्द्रीय स्तर पर समेकित क्षति पूरक वनीकरण कोष बनाने केनिर्देश के आधार पर भारत सरकार द्वारा वर्ष 2006 में क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एंव योजना प्राधिकरण अधिनियम लाया गया।

- इस संगठन का मुख्य उद्देश्य वन क्षेत्रों में होने वाले कमी के स्थान पर वनीकरण के लिए निवेश के लिए फंड जारी करना।

CAMPA द्वारा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के लिए जारी धन राशि का संभावित प्रयोग-

- CAMPA द्वारा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन संरक्षण के लिए जारी दूसरे चरण की अवधि 2024 से 2033 है।
- इसके तहत वर्ष 2026 तक रामदेवरा और सोरसन (राजस्थान) में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन के लिए दीर्घ कालीन संरक्षण केन्द्र खोला जाना है।

लेसर फ्लोरिकन क्या है ?

- लेसर फ्लोरिकन जिसे लिख या खरमोर भी कहा जाता है ग्रेट इंडियन बस्टर्ड परिवार का सबसे छोटा सदस्य है।
- लेसर फ्लोरिकन भी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की तरह भारतीय उपमहाद्वीप में घास के मैदान में पाए जाने वाला स्थानीय पक्षी है।
- भारत में वर्तमान में इस की जनसंख्या लगभग 1000 है जो लगभग ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के साथ ही अपने आवास को साझा करते हैं